

मीयते ऽनेनेति मासशब्दे योजनीयः *durchmessen, erfüllen* WEBER, Nax. 2, 281, N. शक्तिर्न मे काचिद्विहस्ति वक्तुं गुणान्सर्वान्परिमातुं तथैव *be-messen, ermessen* MBh. 13, 1855. fg. Verz. d. Oxf. H. 259, a, 11. एतावानिति कृत्तस्य प्रभावः परिमीयते Spr. 2444. partic. परिमित *bemessen, umschrieben, begrenzt* TRiK. 3, 1, 7. चत्वारि वाक्यपरिमिता पदानि RV. 1, 164, 45. TBu. 1, 1, 4, 1. TS. 2, 5, 21, 2. 3, 1, 3, 3. 6, 1, 4, 6. परिमितं स्तु-  
वन्त्यपरिमितमनुशंसति परिमितं वै भूतमपरिमितं भव्यम् Ait. Br. 4, 6. त-  
स्यैतत्परिमितं रूपं यदन्तर्व्यथैष भूमापरिमितो यो वद्विर्वेदि 8, 5. ÇAT. Br. 1, 3, 2, 12. 4, 4, 7. 13, 1, 2, 2. 14, 1, 2, 18. आयुर्वर्षशतं नृणां परिमितम् *der Menschen Leben ist auf hundert abgemessen* (d. i. geht nicht darüber) Spr. 378. वपुःपरिमित (जीव) 4087. त्यागे वा पौरुषे वापि तस्य नाभूत्प-  
रिमितेच्छता RĪGĀ-TAR. 3, 254. यथा कुलालः परिमितैर्मृत्पिण्डैः परिमि-  
तानिव घटान्करोति GAUDAP. zu SĀṆKHYAK. 14. SĀH. D. 28, 14. *beschränkt*  
so v. a. *gering, wenig*: परिमितायुस् *kurzlebig* R. 3, 53, 20. अथ वा फा-  
ल्गुनस्यैष भारः परिमितो रूपे MBh. 6, 4922. परिमिताहार *wenig Nah-  
rung zu sich nehmend* 1, 4623. SĀV. 1, 5. ०कया adj. MEGH. 81. परिमि-  
तभरणा MĀLAV. 43. PAÑĀT. 188, 12. परिमितत्व n. *Beschränktheit, Be-  
grenztheit* Schol. zu KAP. 1, 130. — Vgl. परिमाण, परिमिति, परिमेय,  
अपरिमित.

— प्र 1) *messen*: त्रीणि पदानि प्रमाय KAUC. 50. ÇĀṆKH. ÇR. 17, 10, 4. चमसं पूर्णमङ्गुलिपर्वणा मौल्येन सर्वतः प्रमितम् KĀTJ. ÇR. 22, 8, 6. प्रमीय-  
माणमामं च पच्यमानं तथैव च MBh. 2, 1901. प्रमित am Ende eines comp.  
so und so viel messend, — *gross u. s. w.*: कर्त्तव्यकमुपन्यसेदङ्गुलप्रमि-  
तम् VARĀH. BRH. S. 58, 13. 69, 13. अथर्धकृत्तप्रमिता दण्डः 72, 3. मास-  
प्रमितः प्रतिपञ्चन्द्रमाः so v. a. *einmal im Monat vorkommend* P. 2, 1, 28,  
Sch. *abgemessen* so v. a. *mässig, gering, wenig*: प्रमितातराणि वदन्  
VARĀH. BRH. S. 104, 37. KATHĀS. 27, 92. — 2) *bilden, schaffen*: प्रमिमाण  
MBu. 7, 9457. viell. *zurechtmachen*: स मूष्यमानो दशभिः सुकर्मभिः प्र-  
मध्यमासु मातृषु प्रमे (loc. infin.) सचा RV. 9, 70, 4. — 3) *sich eine richtige  
Vorstellung bilden über* (acc.): अनेनैव प्रमीयते हि कालः MAITREY. 6,  
11. तदश्वयो ऽयमर्थः प्रमातुम् HIT. 74, 7. न प्रमातुं मत्वावाङ्कः शक्यो ऽयं  
मधुसूदनः HARIV. 9169. प्रत्यक्षप्रमित ÇĀṆK. zu BRH. ĀR. UP. S. 226. —  
Vgl. प्रमा, प्रमाण, प्रमातर, प्रमितातरा, प्रमिति, प्रमेय.

— प्रति *nachbilden, nachahmen*: गायत्रेण प्रति मिमीते अर्कम् RV. 1,  
164, 24. 10, 13, 3. न वः प्रतिमै (dat. inf.) सुकृतानि 3, 60, 4. VS. 20, 37.  
KAUC. 20. partic. प्रतिमित *wiedergespiegelt, sich abspiegelnd* KATHĀS.  
23, 42. RĪGĀ-TAR. 3, 482. — Vgl. प्रतिमा, प्रतिमान, प्रतिमेय.

— वि 1) *ausmessen, durchmessen; durchlaufen*: यो अन्तर्गत्तं विममे  
वरीयः RV. 2, 12, 2. 1, 134, 1. 6, 49, 13. 5, 81, 3. मानेनैव वि यो ममे पृथिवीं  
सूर्येण 83, 5. 55, 2. वैश्वानरस्य विमितानि चक्षसा सानूनि दिवः 6, 7, 6. 7, 8,  
2. 9, 102, 3. पुरुषमात्रेण विमिमीते TS. 5, 2, 3, 1. 6, 6, 4, 1. ÇAT. Br. 3, 3,  
1, 24. 6, 3, 1, 18. 10, 2, 2, 1. KAUC. 30. अघानो विमिताः PAÑĀT. Br. 16, 13,  
12. क्षेत्रमिव वि ममुस्तेजनेन RV. 4, 110, 5. — भौमात्रेणान्स विममे *durch-  
zählen, zählen* BŪG. P. 8, 3, 6. 23, 29. 2, 7, 40. अविमितविक्रम *ungemes-  
sen, unermesslich* 5, 25, 12. — 2) *anordnen, fertigmachen, festsetzen*:  
सद्यो ज्ञातो व्यमिमीत यज्ञम् RV. 10, 110, 11. 114, 6. यज्ञस्य मात्रां वि मि-  
मीत उ त्वः 74, 11. 1, 186, 4. स्रस्तस्य धाम् वि मिमे पुत्राणि 10, 124, 3. बृह-  
च्छरीरो विमिमान् ऋक्भिर्बुवा कुमारः प्रत्यैत्याकृवम् 1, 153, 6. — Vgl.

विमान und u. 1. मि mit वि.

— सम् 1) *messen*: सं मात्राभिर्मिमे येमुकूर्वा RV. 3, 38, 3. पदानि त्री-  
णि — संमितानि पदा मम BŪG. P. 8, 19, 16. संमित *gemessen* so v. a. *ge-  
nau so viel messend, gerade so gross, — viel* 24, 23. मा दीर्घं तम कालं  
तं मासमर्थं च संमितम् *so viel und nicht mehr* MBh. 4, 657. अद्राक् सर्व-  
भूतेषु संतोषः शीलमाज्ञेवम् । तपो दमश्च सत्यं च प्रदानं चेति संमितम् ॥  
14, 2809. viell. *symmetrisch* PAÑĀT. 1, 7, 58, d. — 2) *nach dem Maasse  
(eines Andern) machen, gleichmachen* (an Grösse, Zahl u. s. w.), *nach-  
bilden*: नव प्राणान्वभिः सं मिमीते AV. 5, 28, 1. TS. 6, 6, 4, 6. ÇAT. Br.  
3, 6, 4, 6. 7, 13. 13, 3, 2, 8. *vergleichen*: न वै नृभिर्देवं पराख्यं संमातुम-  
र्क्षसि BŪG. P. 1, 18, 42. संमित *gleichgemacht, angemessen, entsprechend,  
gleich lang, — breit, — hoch, — viel*: अर्विं लेकिन् संमितम् AV. 3, 29.  
3. त्रयो लोकाः संमिता ब्राह्मणेन 12, 3, 20. 28. 33. TS. 5, 1, 6, 4. 6, 1, 4, 1.  
यज्ञमानेन संमितौडम्बरी भवति यावानेव यज्ञमानस्तावतीमेवास्मिन्मूर्द्धं द-  
धाति 2, 10, 3. पाणी धारयन्कृत्यसंमितौ *in der Höhe der Brust* ĀÇV. ÇR.  
1, 1, 23. आस्यं, प्राणं *in der Höhe des Mundes, der Nase* 7, 6. ÇAT. Br.  
3, 2, 1, 34. KĀTJ. ÇR. 7, 4, 1. 8, 8, 8. ÇĀṆKH. GRHJ. 2, 1. पञ्च ÇAT. Br. 1. 2.  
5, 5. पुरुषं 14. कृदिः 3, 5, 2, 9. संवत्सरं 1, 2, 17. 11, 5, 4, 6. साम संमि-  
तम्चा NIR. 7, 12. तिसृभिर्हि साम संमितम् Ait. Br. 3, 23. VS. 17, 81. आ-  
त्मं (सामन्) KĀND. UP. 2, 10, 1. — यो बाल एव समरे संमितः सव्यसा-  
चिना *gleichkommend* MBu. 8, 157. देवेन संमितावेतो 13, 7307. वेदेन 1298.  
R. 1, 1, 94. वेदं MBh. 13, 3138. SŪRJAS. 14, 27. अमृतास्वादं (कथा) MBh.  
1, 3758. कालं (शर) 3, 7185. 7222. प्रह्णं 13, 6209. अमृतं (अतर) RAGU.  
3, 16. सुवर्णस्तेयं 1, 16, 3, 230. अवदानं (सत्क्रिया) *entsprechend* ad ÇĀK.  
160. धर्मं (धर्मसंज्ञितं) MBh. 3, 16798. SĀV. 5, 50. क्षेत्रभू (वृषाः) RĪGĀ-  
TAR. 4, 347. अथय्यं पथ्यसंमितम् (संनिभम् ed. Bomb.) *aussehend wie* R.  
2, 109, 2. पुण्यं *geltend für* R. GORR. 2, 79, 12. ललाटं (दण्डं) *bis zur  
Stirn reichend* M. 2, 46. नगरं (ग्राम) *von der Grösse einer Stadt* MBu.  
3, 2657. शिष्यपाठं 1, 16, 3, 324. कराग्रं (मध्य) *von der Dicke* MBh. 4.  
394. योजनानुतं (so ist zu lesen) *von der Länge* PAÑĀT. 1, 11, 17. KĀM.  
NĪTIS. 14, 29. SŪRJAS. 6, 3. कृत्तत्रयसंमिते *in einer Entfernung von drei  
Hasta* VARĀH. BRH. S. 54, 75. पदकृत्तसंख्यायां संमितानि — अङ्गुलानि  
53, 65. दिनानि पञ्चुरोमभिः संमितानि *gleich an Zahl* 1, 180. लोमं  
(वत्सरान्) 1, 205. जगत्पत्तरं KĀM. NĪTIS. 8, 34. सा वै शतसकृन्नस्य संमि-  
ता wohl *hunderttausend* — *wiegend* MBu. 2, 64. सकृन्नं so v. a. *tausend  
an Zahl* HARIV. 13622. तुलया संमितः *dem Gewicht nach gleich zur Erkl.  
von तुल्य* P. 4, 4, 91. ब्रह्मघ्ना पापसंमितः *in der Sünde Brahmanenmör-  
dern gleichkommend* so v. a. *der eine eben so grosse Sünde wie Brah-  
manenmörder begangen hat* BHATT. 6, 126. Vgl. समित. — 3) *Platz fin-  
den, hineingehen in* (loc.): मृणालसूत्रमपि ते न संमाति स्तनाक्षरे Spr.  
2402. pass. dass.: न कृत्तः पुत्तिकाशरीरे संमीयते NĪLAK. 121. Vgl. simpl.  
3. — 4) *act. zuthellen, gewähren*: अस्मद्वर्षकसं मिमीकृि अर्धंसि RV. 3,  
54, 22. 5, 4, 2. देवैर्वै मिमीकृि सं ईरित्रे 3, 1, 15. — 5) *संमित versehen  
mit* (instr.): सप्तभिर्द्वारैः PAÑĀT. 1, 7, 58. सुपुण्यजलं MBu. 1, 1232. बुद्धिं  
N. (BOPP) 25, 9 (बुद्धिसंमत MBh. 3, 3018, aber die ed. Bomb. ०संमित).  
द्वादशस्कन्धं (भागवत) *aus zwölf Sk. bestehend* PAÑĀT. 2, 7, 28. मृत्युं  
(संघित ed. Bomb.) so v. a. *dem Tode geweiht* MBh. 3, 2462. — Vgl. अ-  
संमित, द्विरफगासंमिता und संमिति.